www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 219 | जौनपुर सोमवार, 30 मार्च 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली और पूर्व गृह मंत्री गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बालेंद्र शाह ने नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के कुछ घंटे बाद ही बड़ी कार्रवाई की है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन– यूएमएल के चेयरमैन केपी शर्मा ओली को पिछले साल हुए जेन–जी आंदोलन के खिलाफ कार्रवाई के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। नेपाल पुलिस ने ओली के साथ–साथ पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी गिरफ्तार किया है। बता दें, नेपाल में 8 और 9 सितंबर 2025 को तत्कालीन सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को लेकर जेन–जी ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। यह प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया और इसमें कई लोगों की जान गई। वहीं, दोनों पूर्व मंत्रियों की गिरफ्तारी के बाद गृह मंत्री सुदान गुरुंग ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट में लिखा, "वादा तो वादा हैरू कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। हमने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और जाने वाले गृह मंत्री रमेश लेखक को हिरासत में लिया है। यह किसी के खिलाफ बदला नहीं हैय यह बस न्याय की शुरुआत है। मेरा मानना घ्हे कि देश अब एक नई दिशा में जा रहा है।" नेपाली मीडिया द हिमालयन टाइम्स के अनुसार, ओली को शनिवार की सुबह उनके गुंडू स्थित घर से गिरफ्तार किया गया। कल रात से ही पुलिस की एक टीम गुंडू में उनके घर से ओली को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने आज सुबह ओली की सरकार के तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक को भक्तपुर के कुटुंजे में उनके घर से गिरफ्तार किया।

3,000 से ज्यादा छापेमारी,कई सिलेंडर जब्तरू सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने गैस की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिए सख्ती बढ़ा दी है और देश भर में एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 350 से अधिक शो–कॉज नोटिस जारी किए हैं। सरकार ने शुक्रवार को बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगातार कार्रवाई जारी है, जिसके तहत 3,000 से ज्यादा छापेमारी की गई है और 1,500 से अधिक एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने भी देश भर में 1,500 से अधिक रिटेल आउटलेट्स और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स पर अचानक निरीक्षण (सरप्राइज इंस्पेक्शन) किए हैं। यह जानकारी पश्चिम एशिया के हालात पर हुई अंतर–मंत्रालयी बैठक के बाद जारी बयान में दी गई। सरकार ने कहा कि वह घरेलू एलपीजी और पीएनजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दे रही है, साथ ही अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे जरूरी क्षेत्रों को भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए रिफाइनरियों में उत्पादन बढ़ाया गया है, बुकिंग के अंतराल में बदलाव किया गया है और सप्लाई को प्राथमिकता के आधार पर बांटा जा रहा है। बयान में कहा गया है कि राज्यों को घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराने में मदद करने की सलाह दी गई है।

डब्ल्यूटीओ के सदस्यों के बीच नवाचार और अवसरों का समान रूप से होना चाहिए बंटवारा – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जोर देकर कहा कि डब्ल्यूटीओ में चल रही चर्चाओं में उरुग्वे राउंड से उत्पन्न असंतुलन को दूर करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को उत्पादक क्षमता बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और वैश्विक व्यापार में सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने का समान अवसर मिलना चाहिए। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली

सुनिश्चित करे कि नवाचार, विकास और अवसर सभी डब्ल्यूटीओ सदस्यों के बीच समान रूप से साझा हों। उन्होंने यह भी कहा कि भारत रचनात्मक ढंग से जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि डब्ल्यूटीओ वैश्विक व्यापार में केंद्रीय भूमिका निभाता रहे। गोयल, जो कैमरून के याउंदे में 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी 14) में भाग ले रहे हैं, ने इस कार्यक्रम के साइडलाइन पर कई विश्व नेताओं से भी मुलाकात की, जिनमें यूएस ट्रेड के प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर शामिल हैं। उन्होंने अपनी मुलाकात के बारे में कहा, "डब्ल्यूटीओ एमसी 14 एजेंडा, भारत–अमेरिका बीटीए बातचीत के अगले कदमों पर विचार साझा किए और आर्थिक सहयोग और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और गहरा करने के उपायों का पता लगाया।" इसके अलावा उन्होंने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू से मुलाकात की और हाल ही में शुरू हुई भारत–कनाडा सीईपीए बातचीत की प्रगति की समीक्षा की तथा द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

यूसीसी के दायरे में लिव–इन रजिस्ट्रेशन और संपत्ति के समान अधिकार अहम

गांधीनगर, (एजेंसी)। लिव–इन रिलेशनशिप का अनिवार्य पंजीकरण और बेटे–बेटियों के लिए विरासत में समान अधिकार, गुजरात सरकार द्वारा श्यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल, 2026श के तहत हाल ही में तैयार किए गए विस्तृत मसौदे का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि ये प्रावधान महिलाओं को कानूनी सुरक्षा देने के लिए बनाए गए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य विधानसभा में पास हुए इस कानून के तहत, लिव–इन रिलेशनशिप को रजिस्टर करवाना जरूरी है। ऐसा न करने पर तीन महीने तक की जेल या 10,000 रुपए का जुर्माना हो सकता है।जिन मामलों में ऐसे रिश्तों में शामिल लोगों की उम्र

18 से 21 साल के बीच है, उनके माता–पिता को इस रजिस्ट्रेशन के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह बिल उन मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान करता है जहां सहमति जबरदस्ती, डरा–धमकाकर या धोखे से ली गई होय साथ ही, नाबालिगों से जुड़े मामलों में श्यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियमश (पॉक्सो) के तहत कार्रवाई का भी प्रावधान है। इसमें उन लोगों के लिए भी सजा का प्रावधान है जो पहले से शादीशुदा होते हुए भी लिव–इन रिलेशनशिप में रहते हैं।इन प्रावधानों के तहत, लिव–इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को रिश्ता टूट जाने पर गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। वहीं, ऐसे रिश्तों से पैदा हुए बच्चों को भी कानूनी मान्यता दी गई है, जिसमें पहचान, गुजारा भत्ता और विरासत से जुड़े अधिकार शामिल हैं। सरकार ने कहा कि रजिस्ट्रेशन से ऐसे रिश्तों को व्यवस्थित करने और महिलाओं व बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने में मदद मिलेगी। यह बिल शादी, तलाक और विरासत से जुड़े मामलों के लिए एक समान ढांचा भी पेश करता है। इसके तहत, शादी के 60 दिनों के भीतर उसका रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य हैय ऐसा न करने पर 10,000 रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।जबरदस्ती, दबाव या धोखे से की गई शादियों के साथ–साथ एक से ज्यादा शादियों के मामलों में सात साल तक की जेल हो सकती है।

ईंधन उत्पाद शुल्क में कटौती का उद्देश्य जनता को वैश्विक मूल्य वृद्धि से बचाना - निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपए की कटौती का निर्णय कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में वृद्धि के प्रभाव से नागरिकों को बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं पर बोझ डालने के बजाय स्वयं वहन करने का विकल्प चुना है।उन्होंने कहा कि लोगों पर बोझ न पड़े, इसलिए कीमतों में कमी की गई है। विदेशों में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण में दो मुख्य बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया

हैरू पहला, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं होनी चाहिए और दूसरा, देश में पर्याप्त आपूर्ति होनी चाहिए ताकि किसी भी प्रकार की कमी न हो। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव के बावजूद सरकार घरेलू ईंधन बाजारों में स्थिरता बनाए रखने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि उत्पाद शुल्क में कटौती से यह सुनिश्चित होगा कि तेल विपणन कंपनियों को निरंतर समर्थन मिलता रहे, जिससे वे उपभोक्ताओं पर बढ़ी हुई लागत का बोझ डाले बिना आपूर्ति बनाए रख सकें। सीतारमण ने आगे कहा कि इससे यह सुनिश्चित होता है कि रिफाइनरियां पर्याप्त आपूर्ति बनाए रखें, और बाजार की स्थिति चाहे जो भी हो, सरकार जनता के लिए कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए लागत वहन करती है।उन्होंने यह भी बताया कि राम नवमी के अवसर पर उच्च स्तरीय परामर्श के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि राम नवमी के दिन प्रधानमंत्री ने सभी अधिकारियों से परामर्श किया और यह निर्णय लिया, सुबह संसद को इसकी सूचना दी और सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की गई। विपक्ष पर निशाना साधते हुए सीतारमण ने इस कदम पर उनकी प्रतिक्रिया की आलोचना की और इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया।

संदीप सिंह पटेल ने पीसीएस परीक्षा में चयनित होकर मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल जाना बाजार का किया नाम रोशन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल्स जाना बाजार का नाम दिनों दिन जिले में बढ़ता जा रहा है।इस स्कूल मे उत्तम शैक्षणिक वातावरण व अनुशासन के चलते हर वर्ष यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर निकलने वाले बच्चे देश–विदेश में ऊंचे पदों पर बैठकर अपना और इस जिले के साथ–साथ अपने समाज व अपने माता पिता का नाम रोशन कर रहे हैं।बताते चले कि पिछले वर्षों जहां यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर निकलने वाले कई छात्र व छात्राओं ने ग्रामीण परिवेशो से निकल कर आईएएस ,आईपीएस, आईएस, आईआरएस, इसरो, नासा, चिकित्सक, इंजीनियर, अध्यापक जैसे कई महत्वपूर्ण पदों पर चयनित होकर मॉडर्न ग्रुप ऑफिस मॉडर्न ग्रुप स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं।वही वर्ष 2024 पीसीएस की परीक्षा में इसी स्कूल के पूर्व छात्र संदीप सिंह पटेल पुत्र राम चरित्र, ग्राम मयंदीपुर, जाना बाजार ने उत्तीर्ण कर अपने माता पिता स्कूल व समाज का नाम रोशन किया है। उनके सफलता पर मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल जाना बाजार के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव,उप प्रबंधक आशीष रंजन श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य व अन्य शिक्षकों ने उनकी इस सफलता पर बधाई हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। वही उनके सफलता से संदीप सिंह पटेल के माता–पिता के अलावा आसपास के लोगों वह क्षेत्र वासियों में हर्ष का माहौल दिखाई दिया।

पीसीएस परीक्षा में चौथा स्थान पाकर डिप्टी कलेक्टर बन अनामिका मिश्रा ने किया जिले का नाम रोशन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मन में अगर लगन हो किसी भी चीज को पाने की इच्छा और एक लक्ष्य निर्धारित हो तो सफलता जरूर कदम चूमती है।इसका उदाहरण कोतवाली नगर क्षेत्र के साकेत पुरी में रहने वाले तथा गोसाईगंज रेलवे स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्रा की पुत्री अनामिका मिश्रा ने वर्ष 2024 पीसीएस की परीक्षा

में चौथा स्थान लाकर डिप्टी कलेक्टर बनकर पेश किया है।उन्होंने पीसीएस की महत्वपूर्ण परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर बनकर जहां एक तरफ यह साबित किया कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है वही शादीशुदा होने के बावजूद तथा वर्ष 2018 से बस्ती जनपद के प्राइमरी विद्यालय कवलपुर विकासखंड विक्रमजोत मे सहायक अध्यापक पद पर कार्य होते हुए उन्होंने इस सफलता को हासिल किया है।बताते चले कि अनामिका मिश्रा की शादी वर्ष 2023 मे गोरखपुर जनपद मे हुई।अनामिका मिश्रा ने सहायक अध्यापक होने के कारण शैक्षिक कार्य करते हुए तथा शादी के बाद एक पत्नी के साथ–साथ बहू के दायित्व का निर्वहन करते हुए उन्होंने इस महत्वपूर्ण परीक्षा को सफलतापूर्वक चौथे स्थान पर प्राप्त लाकर डिप्टी कलेक्टर बनी।बताते चले उनकी इंटर की परीक्षा कनौसा कांवेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज से उत्तीर्ण किया। उन्होंने बताया कि किसी भी कोचिंग संस्थान का मदद नहीं लिया। वे स्वंय अध्ययन करती थी। उन्होंने बताया उनकी इस सफलता पर सबसे ज्यादा योगदान अपने पति आकाश पाण्डेय, माता माधुरी मिश्रा तथा पिता महेंद्र नाथ मिश्रा,ससुराल के लोगो के साथ–साथ सगे संबंधियों और पूर्व के शिक्षक शिक्षकों का भी रहा है।

केजरीवाल के आरोप पर गरमाई राजनीति, मिश्रा और सिरसा ने किया पलटवार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और गृह मंत्री रमेश लेखक के गिरफ्तार होने के बाद दिल्ली में राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने एक–दूसरे से वार पलटवार किया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को नेपाल के पूर्व पीएम की गिरफ्तारी को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, नेपाल के पूर्व प्रधान मंत्री और गृह मंत्री अपने पुराने कुकर्मों की वजह से गिरफ्तार। इसके कुछ देर बाद दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा ने अरविंद केजरीवाल

के पोस्ट पर जवाब दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, दिल्ली का भी पूर्व मुख्यमंत्री अपने कुकर्मों की वजह से जेल गया था, फिर जाएगा। दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी केजरीवाल के पोस्ट पर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, दिल्ली का भी पूर्व मुख्यमंत्री, एक उपमुख्यमंत्री और उसके मंत्री दिल्ली को लूटने के इल्जाम के चलते जेल गए थे और अब सजा भी होगी। मनजिंदर सिंह सिरसा का यह पोस्ट उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने दिल्ली विधानसभा के अंदर कहा कि मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल ने अंडर द टेबल खूब पैसे कमाए। सिरसा ने अपने बयान में कहा, ष्आम आदमी पार्टी के पहले शराब की बोतल पर सरकार एक्साइज लेती थी। ये लोग आए और नई व्यवस्था में इस सिस्टम को बदल दिया गया ताकि श्बाय वन गेट वन फ्रीश जैसे ऑफर्स के जरिए ये लोग खुले तौर पर मुनाफा कमाएं और अपनी जेब भरें। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन सब में मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल ने अंडर द टेबल खूब पैसे कमाए। उन्होंने आगे कहा, ष्दिल्ली की जनता के खून–पसीने की कमाई को अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अपने करीबियों की जेब भरने में बर्बाद कर दिया।

पीएम मोदी ने किया जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन, 5 इंटरनेशनल हवाईअड्डों वाला पहला राज्य बना यूपी

नोएडा, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के जेवर में 11,282 करोड़ रुपये की लागत से बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किए। यह प्रोजेक्ट चार चरणों में पूरा होगा जिसकी कुल अनुमानित लागत 29,560 करोड़ रुपये है। सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ राज्यपाल, कई केंद्रीय और राज्य मंत्री भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर पूरे गौतमबुद्ध नगर में सुरक्षा के व्यापक और बहुस्तरीय इंतजाम किए गए हैं। इसमें सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों से लेकर हजारों पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। जेवर एयरपोर्ट शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया, जिसके पास 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे, जिससे जेवर उत्तर भारत के लिए एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में स्थापित हो जाएगा।पीएम मोदी ने कहा, पश्चिम यूपी की जनता को इस एयरपोर्ट के लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आज का यह कार्यक्रम, भारत के नए मिजाज का प्रतीक है। आप सभी देख रहे हैं कि आज पूरा विश्व कितना चिंतित है। पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध चल रहा है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने–पीने के सामान पेट्रोल–डीजल, गैस आदि ऐसे कई चीजों का चारों तरफ संकट पैदा हो गया है।पीएम मोदी ने कहा, श्कई देशों में खाने पीने की चीजों का संकट पैदा हो गया है। भारत देश वासियो की ताकत के सहारे सामना कर रहा है। सामान्य

परिवारों और किसानो पर बोझ नहीं पड़े, सरकार वो काम कर रही है। संकट में विकास नहीं रुका है, यूपी में ही पिछले कुछ सप्ताह में बड़े बड़े प्रोजेक्ट मिले। पीएम मोदी ने कहा, देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वाले राज्यों में से एक बन गया है। आज मेरे लिए गर्व और प्रसन्नता के दो कारण हैं। पहलारू इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने का सौभाग्य भी मुझे मिला था और इसका उद्घाटन करने का सौभाग्य भी मुझे मिला है। दूसरारू जिस उत्तर प्रदेश ने मुझे प्रतिनिधि बनाया, सांसद बनाया, उस उत्तर प्रदेश की पहचान के साथ इस भव्य एयरपोर्ट का नाम भी जुड़ गया है।श्पीएम ने कहा, श्साथियों यह एयरपोर्ट आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, इटावा, बुलंदशहर, फरीदाबाद इस पूरे क्षेत्र को बहुत बड़ा लाभ होने वाला है। हिंदुस्तान और यूपी का तो होना ही होना है, यह एयरपोर्ट पश्चिम यूपी के किसानों, छोटे और लघु उद्योगों और भारत के नौवजानों के लिए अनेक अवसर देने वाला है। यहां से दुनिया के लिए विमान तो उड़ेंगे ही, साथ ही यह विकसित उत्तर प्रदेश की उड़ान का प्रतीक बनेगा।पीएम मोदी ने कहा, श्युवाओं को पता है कि यह जो काम हो रहा है, यह नौजवानों के भविष्य को नई उड़ान देने वाला काम है। आज हम विकसित यूपी, विकसित भारत अभियान का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। देश का सबसे बड़ा प्रदेश आज देश के सबसे अधिक इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाले राज्य में से एक हो गया है।नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी ने कहा, अभी आधा काम हुआ है। मैंने सिर्फ पर्दा हटाया है, मैं चाहता हूं कि जो भी उपस्थित है, आप सब करें। इसलिए आप अपना मोबाइल फोन निकालिए। अपने मोबाइल फोन का फ्लैश लाइट ऑन करिए। पीएम मोदी की अपील के बाद लोगों ने भी हाथों में मोबाइल लेकर फ्लैश लाइट जलाई। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, अब यहां उपस्थित हर व्यक्ति इस एयरपोर्ट का उद्घाटन कर रहा है। यह आपकी अमानत है, यह आपका पुरुषार्थ है। इसलिए इसका उद्घाटन आपके हाथों से हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा, श्ये एयरपोर्ट जनता की अमानत है। इसलिए एयरपोर्ट का उद्घाटन आप लोग करेंगे। मौजूद जनता एयरपोर्ट का उद्घाटन करे।एडा एयरपोर्ट के उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी जी का बहुत आभार। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट से यूपी को नई उड़ान मिलेगी। जेवर एयरपोर्ट विकास का उदाहरण है। पिछले 11–12 वर्षों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जो कार्ययोजना बनी है, आज हम सबको देखने को मिल रही है। भारत के अंदर पेट्रोलियम उत्पादों का दाम नियंत्रित है। उसकी आपूर्ति स्मूथ बनाई गई है। उस पूरी व्यवस्था में अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी पेट्रोलियम उत्पादों के दाम आसमान छूते दिख रहे हैं।

संपादकीय

चुप रहना आत्म–सम्मान को तिलांजलि देना

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन पर भरोसा करना कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा रहता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। भारत (एवं कुछ अन्य देशों) के खिलाफ अपने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत जांच फिर शुरू करने का अमेरिका का फैसला सीधे तौर पर उस विश्वास पर चोट है, जिसके आधार पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए वार्ता चल रही है। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन पहले ही व्यापार के सभी मान्य कायदों को तोड़ चुका है। उसने एकतरफा टैरिफ युद्ध छेड़ कर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाया। साफ है, उस कारण शुरू हुई व्यापार वार्ता में जो सहमतियां बनीं, वह उस पर भी कायम नहीं है। चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने मनमाना टैरिफ लगाने के राष्ट्रपति के अधिकार को संकुचित कर दिया, तो अब ट्रंप ने विभिन्न देशों को घेरने का नया हथकंडा अपनाया है। भारत सहित 60 देशों के खिलाफ उसने यह जांच शुरू की है कि क्या उन देशों से अमेरिका में होने वाले उत्पादों को तैयार करने में जबरिया मजदूरी का इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही कुछ क्षेत्र में कथित ओवर कैपिसिटी और अति उत्पादन जैसी संभावनाओं की जांच भी शुरू की गई है। अपने कानून के तहत अपने अधिकारियों द्वारा की गई जांच में जिन देशों को दोषी पाया जाएगा, ट्रंप प्रशासन उन पर टैरिफ या प्रतिबंध लगा सकेगा। आर्थिक शब्दावली में ऐसे कदमों को गैर–व्यापार रुकावटें माना जाता है। मुक्त व्यापार के दौर में एकतरफा ढंग से डाली गई ऐसी रुकावटों का कोई तर्क नहीं हो सकता। दरअसल, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन का रुख ऐसा है कि उसकी जुबान पर भरोसा करना लगातार कठिन होता चला गया है। वह ना तो द्विपक्षीय वार्ता के दौरान बनी सहमतियों पर कायम रहता है, और ना ही यह भरोसा किया जा सकता है कि वार्ता जारी रहने के दौरान वो कोई कार्रवाई नहीं करेगा। जबकि अंतरराष्ट्रीय सहमति, समझौते और व्यवहार में जो चीज सबसे अहम होती है, वह विश्वसनीयता ही है। इसलिए उचित होगा कि भारत अमेरिका के साथ जारी व्यापार वार्ता से बाहर निकल आए। या वार्ता जारी रखने के लिए कम–से–कम 301 जांच को खत्म करने की शर्त लगाए। भारत पहले ही अत्यधिक रियायतें दे चुका है। अब चुप रहना आत्म–सम्मान को तिलांजलि देना होगा।

मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत

हरिशंकर व्यास

बिहार से नीतीश कुमार की विदाई सिर्फ एक व्यक्ति की राजनीति का अंत नहीं है। न ही एक पार्टी की राजनीति के कमजोर होने का संकेत है। यह मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम का संकेत है। एक एक करके वैसे भी मंडल की राजनीति करने वाले नेता राजनीतिक परिदृश्य से लुप्त हैं। मुलायम सिंह यादव, शरद यादव और रामविलास पासवान का निधन हो गया है, जबकि लालू प्रसाद यादव चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराए जा चुके हैं। अब वे सक्रिय राजनीति करने में भी शारीरिक रूप से सक्षम नहीं हैं। मंडल राजनीति की आखिरी बड़े नेता नीतीश कुमार हैं, जिनका रिटायरमेंट प्लान भाजपा ने तैयार कर दिया है। सोचें, जिस नीतीश कुमार ने जीवन भर मुख्यमंत्री बने रहने की राजनीति की और तमाम किस्म के गठबंधन बदल दिए उनको कहना पघ्ड़ा है कि वे एक बार राज्यसभा जाकर देखना चाहते थे। ध्यान रहे नीतीश ने कई बार सहयोगी बदले। गठबंधन की पार्टियां बदलीं लेकिन मुख्यमंत्री बने रहे। करीब 20 साल मुख्यमंत्री रहने के बाद अब वे राज्यसभा जा रहे हैं। नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना या मुख्यमंत्री पद छोड़ना अपने आप में मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम नहीं है। असली बात यह है कि उनके हाथ से बिहार की कमान निकल रही है। बिहार की राजनीति अब पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी के हाथ में जा रही है। भाजपा का मुख्यमंत्री बनेगा और बिहार की राजनीति लगभग पूरी तरह से दो ध्रुवीय हो जाएगी। नीतीश की पार्टी रहेगी लेकिन वह भाजपा पर निर्भर होगी। दूसरी ओर तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद होगा, जिसके साथ कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों का गठबंधन है। सो, मंडल की राजनीति पर पूर्णविराम के साथ साथ कह सकते हैं कि बिहार में बहुध्रुवीय राजनीति अब ज्यादा केंद्रीकृत होगी। भाजपा के मजबूत होने और राजनीति की केंद्रीय ताकत बनने से उसके साथ वाली बाकी पार्टियों की हैसियत कमजोर होगी, चाहे वह पार्टी चिराग पासवान की हो या उपेंद्र कुशवाहा की या जीतन राम मांझी की हो। तह सकते है कि आखिर नरेंद्र मोदी की सरकार भी चारों तरफ आरक्षण बढ़ा रही है, अलग अलग क्षेत्रों में नए आरक्षण दे रही है, जाति जनगणना कराने जा रही है, उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली यूजीसी की नियमावली जारी करती है तो फिर कैसे यह राजनीति मंडल से अलग है? यह मंडल से इसलिए अलग है क्योंकि यह कांग्रेस और दूसरी प्रादेशिक पार्टियों की राजनीति की प्रतिक्रिया है और दूसरे इसमें अंतर्निहित तत्व कमंडल यानी धर्म की राजनीति का है। भाजपा का मकसद किसी न किसी रूप में पैन इंडिया हिंदू यूनिटी बनाने की है। पूरे भारत में हिंदू एकता बनाने के लिए भाजपा को जहां जो दांव चलना होता है वह चलती है। कहीं ईडब्लुएस का आरक्षण देकर अगड़ी जातियों को खुश करती है तो कहीं यूजीसी की नियमावली से पिछड़ी जातियों को संदेश देती है। यह एक अलग विश्लेषण का विषय है। भाजपा बिहार में और पूरे देश में मंडल की राजनीति को कमंडल से रिप्लेस करना चाहती है। इसके लिए उसने धीरे धीरे मंडल और कमंडल को मिलाना शुरू कर दिया। मोदी ने यह माहौल बनाया कि कमंडल ही मंडल है। व्यापक हिंदू पहचान पर जोर दिया गया और यह स्थापित करने का प्रयास किया गया कि धर्मध्वजा उठाए हुए व्यक्ति की जाति क्या है यह महत्वपूर्ण नहीं है। वह कोई भी हो सकता है। असम से लेकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र तक भाजपा ने बड़े राज्यों में सवर्ण मुख्यमंत्री बनाए हैं। लेकिन सोशल मीडिया में सवर्ण इकोसिस्टम के लोग आक्रामक तरीके से सरकार पर हमला कर रहे हैं और यूजीसी के नियमों के हवाले से केंद्र की मोदी सरकार को अगड़ा विरोधी बता रहे हैं। यह भी अंततरू मोदी के लिए फायदे वाला ही साबित होगा। क्योंकि यूजीसी की नियमावली सिर्फ नैरेटिव बनाने के लिए लाई गई थी। सरकार का काम सवर्ण लोग सोशल मीडिया में कर रहे हैं। इसे लेकर नरेंद्र मोदी और धर्मेंद्र प्रधान पर जितना हमला हो रहा है, पिछड़ी और दलित जातियों का उतना ही ध्रुवीकरण उनके पक्ष में हो रहा है।

ईरान के लिए दिन-रात आंसू बहाने वाले कश्मीरी नेताओं ने कभी पंडितों के साथ क्यों नहीं दिखाई हमदर्दी

नीरज

मीरवाइज उमर फारूक ने नयी दिल्ली में ईरान के राजदूत से मुलाकात कर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया और ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की। लेकिन सवाल यह है कि जब कश्मीरी पंडितों को घाटी से मार कर भगाया जा रहा था तब यह संवेदना कहां थी? तब अमन का पैगाम लेकर ये नेता सामने क्यों नहीं आए थे? क्या उस दौर में इंसानियत की जरूरत नहीं थी? क्या तब किसी प्रतिनिधिमंडल को कश्मीरी पंडितों के घरों तक जाने की फुर्सत नहीं मिली थी? सवाल उठता है कि क्यों आज अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर इतनी सक्रियता दिखती है, लेकिन अपने ही समाज के जख्मों पर सन्नाटा छा जाता है? क्या यह चयनात्मक संवेदनशीलता नहीं है? क्या एक धर्म विशेष के लिए ही एकजुटता दिखाना अब राजनीति का हिस्सा बन गया है? अगर मीरवाइज सच में अमन के दूत हैं, तो अपने दिल्ली दौरे के दौरान वह कश्मीरी पंडितों की कॉलोनियों में जाकर उनसे क्यों नहीं मिले? अगर मीरवाइज सच में अमन के दूत हैं तो क्या कश्मीरी पंडितों से मिलकर उनसे वापस अपने घर लौटने का आग्रह नहीं करना चाहिए था? देखा जाये तो कश्मीर में ईरान के समर्थन में प्रदर्शन होते हैं, दान अभियान चलते हैं, बड़े नेता दूतावास पहुंचते हैं, लेकिन क्या कभी कश्मीरी पंडितों के लिए ऐसा कोई व्यापक अभियान चला? क्या उनके दर्द को उसी गंभीरता से लिया गया? सवाल उठता है कि आखिर यह दोहरा मापदंड क्यों है? क्यों एक समुदाय के मुद्दे पर भावनाएं उमड़ती हैं और दूसरे पर खामोशी छा जाती है? क्या संवेदनाएं भी चयनात्मक हो गई हैं? जहां तक मीरवाइज के दिल्ली दौरे की बात है तो आपको बता दें कि श्रीनगर से कश्मीर के कई धार्मिक संगठनों का एक प्रतिनिधिमंडल नयी दिल्ली पहुंचा और ईरान के राजदूत से मुलाकात कर वहां के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर शोक जताया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मीरवाइज उमर फारूक कर रहे थे। उन्होंने न केवल संवेदना व्यक्त की, बल्कि ईरान के लोगों के साथ एकजुटता भी दिखाई। प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका और इजराइल पर आरोप लगाते हुए युद्ध की निंदा की और शांति बहाल होने की उम्मीद जताई। असली सवाल यहीं से शुरू होता है। क्या यह वही कश्मीर नहीं है जहां कभी हजारों कश्मीरी पंडितों को अपने घर छोड़ कर भागना पड़ा था। क्या यह वही घाटी नहीं है जहां उनके कत्लेआम की खबरें आई थीं। तब यह धार्मिक संगठन, यह मौलाना, यह नेता कहां थे। तब अमन का संदेश क्यों नहीं दिया गया। तब किसी प्रतिनिधिमंडल ने पंडितों के आंसू पोंछने की कोशिश क्यों नहीं की? मीरवाइज उमर फारूक और उनके साथियों ने ईरान के साथ गहरे सांस्कृतिक और धार्मिक रिश्तों की बात कही। उन्होंने कश्मीर को ईरान ए सगीर तक बताया। यह बयान बताता है कि उनकी सोच किस दिशा में झुकी हुई है। लेकिन क्या उन्हें यह याद नहीं कि कश्मीर की पहचान केवल किसी एक धर्म से नहीं, बल्कि उसकी विविधता से रही है। कश्मीरी पंडित उस पहचान का अभिन्न हिस्सा थे और हैं। दिल्ली में ईरानी राजदूत से मिलना, संवेदना जताना, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बयान देना आसान है। लेकिन क्या कभी इन नेताओं ने दिल्ली या देश के अन्य हिस्सों में बसे कश्मीरी पंडितों की कॉलोनियों में जाकर उनसे मुलाकात की। क्या उन्होंने कभी उन्हें वापस घाटी आने का भरोसा दिलाया। अगर मीरवाइज सच में अमन का पैगाम देना चाहते, तो उन्हें सबसे पहले अपने घर के जख्म भरने चाहिए थे। यह भी गौर करने वाली बात है कि कश्मीर में खामेनेई की मौत के बाद बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, दान अभियान चलाए गए, लोगों ने पैसा, सोना, यहां तक कि मवेशी तक दान दिए। राजनीतिक नेताओं ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया। महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला जैसे बड़े नाम ईरानी दूतावास पहुंचे और अपनी संवेदना दर्ज कराई। यह सक्रियता बताती है कि एक खास मुद्दे पर कितनी तेजी से लामबंदी हो सकती है। लेकिन यही सक्रियता कश्मीरी पंडितों के मामले में क्यों नहीं दिखी? क्यों उनके दर्द को नजरअंदाज किया गया? क्यों उनके लिए कोई बड़े स्तर का अभियान नहीं चला, यही वह सवाल है जो आज कश्मीर के नेतृत्व की नीयत और प्राथमिकताओं पर गहरे संदेह खड़े करता है। सच यह है कि अमन का पैगाम चयनात्मक नहीं हो सकता। अगर आप सच में शांति चाहते हैं, तो आपको हर पीड़ित के साथ खड़ा होना होगा, चाहे वह किसी भी धर्म का हो। केवल एक धर्म विशेष के साथ एकजुटता दिखाना और दूसरे की पीड़ा को अनदेखा करना न तो नैतिक है और न ही स्वीकार्य। आज जरूरत है कि कश्मीर के नेता आत्ममंथन करें। उन्हें यह समझना होगा कि असली परीक्षा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने में नहीं, बल्कि अपने ही समाज के घावों को भरने में है। जब तक कश्मीरी पंडितों की वापसी, उनकी सुरक्षा और उनके सम्मान की गारंटी नहीं होगी, तब तक अमन का हर दावा खोखला ही रहेगा।

यूएस शांति प्लान को ईरान द्वारा ठुकराए जाने के अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

कमलेश

यदि आप देश–दुनिया को सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाने के बजाए लाभप्रद और वर्चस्वमय हिंसा–प्रतिहिंसा को बढ़ावा देने की सीख सिखाने के आदी हो चुके हैं, तो सावधान हो जाइए। यह आपकी अप्राकृतिक हरकत है जिसकी कीमत आपको कभी न कभी चुकानी ही पड़ेगी। यह अकाट्य सत्य है क्योंकि देर–सबेर हुतात्माओंधनिरीह पशु–प्राणियों के आत्मा के चक्रब्यूह (जबरदस्त गोलबंदी) में आप घिरेंगे और फिर आपके साथ भी वही होगा, जिसके सबक बेदर्द इतिहास के पन्नों में भरे पड़े हैं। जो बोइयेगा, वही काटियेगा, यह प्रकृति का अपरिवर्तित नियम है। सनातन धर्म में अकाल मृत्यु का स्रोत ऐसे ही प्रारब्ध जनित कर्मों का प्रतिफल है। आतंक उत्पादक और निर्यातक अमेरिका–ईरान इसी अकाट्य नैसर्गिक नियम के शिकार होते प्रतीत हो रहे हैं, फिर भी उन्हें सद्बुद्धि नहीं आई है, जबकि इजरायल तो अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए जूझ रहा है। वह धर्मयुद्ध का शिकार है। वह अल्पसंख्यक यहुदी होने की कीमत चुका रहा है। वहीं, शांतिप्रिय और गुटनिरपेक्ष देश भारत चाहकर भी वसुधैव कुटुम्बकम की भावना सबके दिलोदिमाग में नहीं जगा पा रहा है। उसके सर्वे भवंतु सुखिनः वाली सोच की धज्जियां पाकिस्तान उड़ा–उड़वा रहा है। इसलिए सबको ठंडे दिमाग से सोचने की जरूरत है। चाहे रूस–यूक्रेन युद्ध हो या भारत–पाकिस्तान युद्ध या फिर संभावित चीन–ताइवान युद्ध, या फिर अन्य द्विदेशीय सीमा संघर्ष, सबको टालना, टलवाना जरूरी है। इसके लिए संयुक्त राष्ट्र संघ को कठोर होना पड़ेगा। वीटो पावर प्राप्त पांचों देशों को और अधिक जिम्मेदार बनना पड़ेगा। हथियारों और दवाओं को कारोबार नहीं, बल्कि सुरक्षा और सेवा के नजरिये से देखना पड़ेगा। ऐसा इसलिए कि पूरी दुनिया में इस्लामिक शासन लाने के स्वप्नद्रष्टा देश ईरान द्वारा पूंजीवादी लोकतांत्रिक मुल्क अमेरिका के 15 सूत्री अमेरिकी शांति योजना को ठुकरा दिया है। इससे मध्य पूर्व में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है, जो क्षेत्रीय और वैश्विक कूटनीति को प्रभावित कर रहा है। इससे युद्ध का अभूतपूर्व विस्तार और द्विपक्षीय बर्बादी तय है। कूटनीतिक मामलों के जानकारों के मुताबिक, जहां ईरान ने अमेरिकी 15–सूत्री योजना (जिसमें परमाणु सुविधाओं का विघटन और मिसाइल सीमाएं शामिल हैं) को ष्अत्यधिकष बताकर खारिज कर दिया, वहीं ईरान ने अमेरिकी–इजरायल गुटबंदी के ऊपर अपनी पांच महत्वपूर्ण शर्तें रखीं हैं, जैसे युद्ध क्षतिपूर्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य पर संप्रभुता और हमलों का अंत आदि। इससे संघर्ष लंबा खिंच सकता है, क्योंकि ईरान हमले जारी रखे हुए है। इस पूरे प्रकरण में कठोर क्षेत्रीय प्रतिक्रियाएं मिली हैं। जहां अरब–खाड़ी देशों, यथा– सऊदी, यूएई आदि और जॉर्डन ने ईरान की कार्रवाइयों की निंदा की, वहीं परस्पर एकजूट होकर ईरान की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं पर विराम लगाने के उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। साथ ही, यूएनएससी में प्रस्ताव लाया गया। जबकि अमेरिकी एजेन्ट पाकिस्तान बनावटी मध्यस्थ बना रहा है, लेकिन सबके बीच पारस्परिक अविश्वास गहरा गया है। जहां तक वैश्विक प्रभाव की बात है तो संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी कि होर्मुज बंद होने से तेल (20: वैश्विक आपूर्ति) कारोबार प्रभावित हो रहा है, जिससे कीमतें +100̤ पहुंचीं और अर्थव्यवस्थाएं चरमरा रही हैं। इससे प्रभावित यूरोप, भारत, पूर्वी एशियाई देश और अन्य ने शांति की मांग की, जबकि अपना शांति प्रस्ताव खारिज होते ही अमेरिका ने और अधिक सैनिक ईरान की ओर भेज दिए हैं। इससे कूटनीतिक चुनौतियां भी उपजी हैं। जहां यह अस्वीकृति ट्रंप प्रशासन की पहल को झटका देती है, वहीं ईरान को मजबूत बनाती है और मध्यस्थों (पाकिस्तान, मिस्र) की भूमिका कमजोर करती है। इससे भविष्य में सैन्य एस्केलेशन या नए मध्यस्थ (रूस?) का उभार संभव है। अंतर्राष्ट्रीय युद्ध विशेषज्ञ बताते हैं कि ईरान द्वारा यूएस शांति योजना अस्वीकृति से मध्य पूर्व युद्ध अनिश्चितकाल तक लंबा खिंच सकता है, क्योंकि कोई नया समझौता होता नहीं दिखाई दे रहा है। वहीं, जिस तरह से पहले यूक्रेन के पीछे पूरा यूरोपध्अमेरिका खड़े थे, अब ईरान के पीछे रूसध्चीन जैसे कद्दावर देश खड़े हो चुके हैं। इससे इस युद्ध में युद्धोन्मादी देश अमेरिका की मिट्टी पलीद हो रही है। यूरोप का नाटो भी पूरी तरह से अमेरिका के पक्ष में खड़ा नहीं है, बल्कि अपना हाथ खींच चुका है। इससे ईरान के हौसले बुलंद हैं। विशेषज्ञों के इस युद्ध से जुड़े अनुमान पहले 4–6 सप्ताह के थे, लेकिन अब महीनों या उससे अधिक का खतरा बता रहे हैं। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने युद्ध को 4–5 सप्ताह का बताया था, जबकि पेंटागन ने 4–6 सप्ताह का अनुमान लगाया। लेकिन 26 दिनों बाद भी हमले जारी हैं, ईरान ने भी जबर्दस्त काउंटर किया है। उसने युद्ध रोकने सम्बन्धी एक काउंटर–प्रस्ताव भी रखा हुआ है। वर्तमान स्थिति यह है कि ईरान ने 15–सूत्री योजना को ष्अनुचितष ठहराया, और अपनी शर्तें (क्षतिपूर्ति, होर्मुज नियंत्रण) रखीं। वहीं, अमेरिका 50,000̤ सैनिक भेज चुका है, जिससे और संघर्ष तीव्र होता जा रहा है। विशेषज्ञ भविष्यवाणियां दिलचस्प हैं। पूर्व सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि न्यूनतम 4–5 सप्ताह लेकिन ष्महीनोंष लग सकते हैं। कुछ विश्लेषक ईरान की हार मानते हैं लेकिन अवधि लंबी होने पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। इसका कोई निश्चित अंत नहीं है, क्योंकि मध्यस्थ असफल दिखाई दे रहे हैं। भले ही ईरान के साथ युद्ध में करीब चार हफ्तों बाद अमेरिका ने समझौते की इच्छा जताई है, जो पूरी दुनिया के लिए अच्छी खबर है, लेकिन शांति की खातिर दोनों पक्षों को अपनी अपनी जिद छोड़नी होगी। अन्यथा पूरी

दुनिया की आर्थिक बर्बादी तय है। वैसे तो, अमेरिका ने पाकिस्तान के जरिये ईरान तक 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। इसमें तेहरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को बंद करने और होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने जैसी मांगें शामिल हैं। जबकि कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने भी अपनी मांगें रखी है, जिसमें सबसे अहम यह है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया में अपने सभी सैन्य ठिकाने बंद करने होंगे। वहीं, पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मुकद्दम ने वॉशिंगटन और तेहरान के बीच किसी तरह की बातचीत से इनकार किया है। उधर, ईरान के एक सैन्य प्रवक्ता ने भी ट्रंप के प्रस्ताव का मजाक उड़ाया। लेकिन, अहम यह है कि अब कम से कम शांति की चर्चा तो हो रही है। ईरान और अमेरिका एक–दूसरे से जो चाहते है, वह मुश्किल है। कमोबेश इन्ही मामलों पर फरवरी में भी बातचीत अटकी थी। इन बिंदुओं को वह रेड लाइन कह सकते है, जिसे पार करना दोनों देशों के लिए असंभव है। लेकिन, आमतौर पर युद्ध के बीच बातचीत इसी तरह से शुरू होती है। इसलिए यकायक यह उम्मीद नहीं कर सकते कि दोनों देश सीधे आमने–सामने बैठ जाएंगे और उनकी बात बन जाएगी। बल्कि दोनों को कॉमन ग्राउंड तलाशना होगा। तभी शांति की राह तैयार होगी। चूंकि अमेरिका और ईरान के बीच भरोसे की कमी उन्हें सीधी बातचीत शुरू करने से रोक रही है। इससे पहले हुई सारे वार्ताएं नाकाम रही है और उनके दरम्यान ही अमेरिका–इस्राइल ने हमले शुरू कर दिए। ऐसे में तेहरान की हिचक समझी जा सकती है। लिहाजा, बातचीत पर आगे बढ़ने के लिए यह भी जरूरी है कि पहले ईरान पर हमले बंद किए जाएं। यह नहीं हो सकता कि ट्रंप संघर्षविराम का प्रस्ताव भेजें और साथ में पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की संख्या भी बढ़ाते जाएं।

सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला

अजीत द्विवेदी

पुरानी कहावत है कि श्चुनाव से पहले, युद्ध के दौरान और शिकार के बाद सबसे ज्यादा झूठ बोले जाते हैंय। सो, ईरान में युद्ध चल रहा है और झूठ की चौतरफा बौछार हो रही है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पेंटागन में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि युद्ध अमेरिका ने शुरू नहीं किया लेकिन इसे खत्म अमेरिका करेगा। हालांकि सारी दुनिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल ने दिन दहाड़े हमले की शुरुआत की और एक संप्रभु देश के सर्वोच्च नेता को मार डाला। दूसरी ओर अमेरिका से ही एक रिपोर्ट आई है, जिसमें कहा गया है कि पेंटागन ने कांग्रेस की समिति के सामने कहा है कि उनके पास कोई खुफिया सूचना नहीं थी कि ईरान हमला करने जा रहा है। इसका अर्थ है कि कांग्रेस के सामने पेंटागन की ओर से कुछ और कहा जा रहा है और पेंटागन के प्रमुख मीडिया के सामने कुछ और कह रहे हैं! इसी तरह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अभी तो हमला शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अभी सबसे बड़ा हमला करेगा और उधर पेंटागन से खबर है कि वहां के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से लेकर तमाम रक्षा जानकार इस बात की चिंता में हैं कि अमेरिका के मिसाइल और हथियारों का भंडार तेजी से खत्म होता जा रहा है। अमेरिकी रक्षा क्षेत्र में यह चिंता इसलिए है क्योंकि जितनी तेजी से मिसाइल और दूसरे हथियार खर्च हो रहे हैं उतनी तेजी से उन्हें बनाया नहीं जा सकता है। इस चिंता का एक पहलू यह भी है कि अगर युद्ध का कोई नया मोर्चा खुला या उत्तर कोरिया और चीन की ओर से कुछ हुआ, जिसका जवाब अमेरिका को देना पड़े तो क्या होगा? लेकिन ट्रंप सबसे बड़े हमले की बात कर रहे हैं। ऐसे ही राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि जरुरत पड़ी तो वे अमेरिकी सेना को ईरान की जमीन पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि वे पिछले राष्ट्रपतियों की तरह नहीं हैं, जिन्होंने हमेशा जमीनी सेना उतारने से इनकार किया। ट्रंप ने यह ऐसी बात कही है, जिस पर किसी को यकीन नहीं होगा। ईरान में जमीनी सैनिक उतारना अमेरिका के लिए बहुत मुश्किल वाला फैसला होगा। इसका कारण यह है कि ईरान में उसके पास कोई जमीनी सपोर्ट सिस्टम नहीं है। दूसरे, ईरान के पास 11 लाख से ज्यादा की संख्या वाली बहुत व्यवस्थित सेना है, जिसमें दो लाख आईआरजीसी के प्रशिक्षित कमांडो जैसे सैनिक हैं। तीसरे, ईरान नौ करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है। चौथे, उसकी भोगोलिक सीमाएं बहुत विशाल हैं। वह इजराइल से 70 गुना बड़े क्षेत्रफल वाला देश है। पांचवें, ईरान में लंबी लंबी पहाड़ों की शृंखलाएं हैं और दुर्गम क्षेत्र बहुत बड़ा है। सोचें, गाजा जैसे छोटे से इलाके में दो साल से युद्ध चल रहा है, जिसमें 70 हजार लोग मारे गए हैं फिर भी इजराइल जीत नहीं पाया है, जबकि गाजा एक ऐसा जमीन का टुकड़ा है, जो इजराइल और मेडिटेरेनियन समुद्र के बीच दबा हुआ है। जब वहां दो साल से लड़ाई खत्म नहीं हो रही है तो ईरान जैसे विशाल और बड़ी आबादी वाले देश में कैसे अमेरिका जमीन पर सैनिक उतारेगा? सो, ऐसा लग रहा है कि यह झूठ भी ईरान की फौज को डराने और लोगों को बगावत के लिए उकसाने के मकसद से बोला गया है। बहरहाल, यह इतिहास का संभवतरू पहला युद्ध होगा, जो वार्ता विफल होने की वजह से नहीं, बल्कि वार्ता सफल होने की वजह से लड़ा जा रहा है। ईरान और अमेरिका की वार्ता में मध्यस्थता कर रहे ओमान के विदेश मंत्री बदर बिन हमाद अल बुसैदी ने 28 फरवरी को कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता अंतिम दौर में है और समझौते का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईरान यह गारंटी देने को तैयार हो गया है कि वह कभी भी परमाणु बम नहीं बनाएगा। साथ ही वह इस बात के लिए भी तैयार हो गया है कि इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी यानी आईएईए की टीम उसके परमाणु ठिकानों का दौरा करके जांच कर ले। लेकिन बुसैदी के यह कहने के तुरंत बाद अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला शुरू कर दिया। याद करें इसी तरह पिछले साल जून में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 14 दिन का समय दिया था और तीसरे ही दिन हमला शुरू कर दिया था। फरवरी 2026 के हमले में गोलपोस्ट कैसे बदल रहा है यह देखना भी बहुत दिलचस्प है। पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों को नष्ट करने के लिए हमला हुआ है। हालांकि यहां भी सवाल उठता है कि जब जून 2025 के हमलों के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु संयंत्रों को श्ओबलिटेरेटय कर दिया गया यानी नामोनिशान मिटा दिया गया तब फिर आठ महीने में ही परमाणु संयंत्र कैसे काम करने लगे। बहरहाल, युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप ने कहा कि इस्लामिक क्रांति के बाद बनी इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता बदलने के लक्ष्य से हमला किया गया है। यानी परमाणु ठिकानों को खत्म करना लक्ष्य नहीं है, बल्कि सत्ता बदलना लक्ष्य है। अब पहला सवाल है कि सत्ता क्यों बदलनी है? इसका सीधा जवाब है कि अमेरिका को पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थितियों को हमेशा के लिए बदल देना है। उसे स्थिर सत्ता और सैन्य ताकत वाले इकलौते मजबूत देश ईरान को समाप्त करना है। सद्दाम हुसैन का इराक खत्म हो गया, गद्दाफी का लीबिया और असद का सीरिया भी समाप्त हो गया। अगर ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक की सत्ता समाप्त हो जाती है तो पूरे पश्चिम एशिया में इजराइल इकलौती महाशक्ति बचेगा। ध्यान रहे अमेरिका ने पश्चिम एशिया के बाकी देशों का आर्थिक हित या तो अपने साथ जोड़ लिया है या इजराइल से जुड़वा दिया। सो, यह युद्ध एक बड़े लक्ष्य के लिए है, जिसे निश्चित रूप से इजराइल ने तय किया है। अब दूसरा सवाल है कि सत्ता कैसे बदलेगी? हवाई हमले में नेताओं को और कुछ सैनिक कमांडरों को मारा जा सकता है या इमारतें ध्वस्त की जा सकती हैं। सत्ता परिवर्तन तो उससे नहीं हो सकता है। सत्ता परिवर्तन के दो मॉडल हैं। या तो अमेरिका जमीनी फौज उतारे और ईरान के तमाम फौजी कमांडरों, गार्जियन कौंसिल के सदस्यों और धर्मगुरुओं को मार डाले या उनको बंधक बना कर वहां अपने समर्थन वाले किसी व्यक्ति को गद्दी पर बैठाए। इराक में उसने ऐसा किया था। दूसरा मॉडल लीबिया और सीरिया वाला है। इन देशों में पहले से सशस्त्र संघर्ष चल रहा था। सीरिया में तो 2012 से ही गृह युद्ध छिड़ा हुआ था। इसलिए वहां अमेरिका को अपनी फौज उतारने की जरुरत नहीं पड़ी थी। आतंकवादियों के हथियारबंद गिरोहों में से एक गिरोह को समर्थन देकर सत्ता में बैठा दिया गया। सीरिया में अमेरिका ने उस जिहादी को गद्दी पर बैठाया है, जिस पर करीब सौ करोड़ रुपए का इनाम खुद अमेरिका ने रखा था। बहरहाल, यह मॉडल भी ईरान में नहीं चल सकता है क्योंकि वहां कोई सशस्त्र विद्रोह नहीं चल रहा है ।

एक शिक्षक दिशा देता है, लेकिन एक अधिकारी समाज में व्यापक बदलाव ला सकता है - राजिता सिंह

जौनपुर की बेटी राजिता सिंह ने पीसीएस 2024 में पाई सफलता, जिले का बढ़ाया मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर की प्रतिभाशाली बेटियों ने एक बार फिर अपनी मेहनत और लगन से सफलता का परचम लहराया है। सोमवार को जारी हुए रिजल्ट में केराकत तहसील क्षेत्र के हुरहुरी गांव की निवासी राजिता सिंह ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग 2024 परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

राजिता सिंह, एसडी पब्लिक स्कूल हुरहुरी की संचालिका रेखा सिंह की पुत्री हैं। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास के बल पर यह मुकाम हासिल किया। उनकी सफलता से न केवल परिवार बल्कि पूरे जौनपुर जनपद में उत्साह की लहर दौड़ गई है। गांव और आसपास के क्षेत्रों में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

राजिता ने अपनी सफलता का श्रेय भगवान, माता–पिता, गुरु और परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य समाज की सेवा करना है। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में शिक्षा का माहौल रहा है, जिससे उन्हें हमेशा सही मार्गदर्शन मिला। राजिता ने कहा कि एक शिक्षक दिशा देता है, लेकिन एक अधिकारी समाज में व्यापक बदलाव ला सकता है, यही सोच उन्हें इस सेवा में लेकर आई।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा भी दी थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने पीसीएस की तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया और इंटरव्यू के बाद सफलता हासिल की। उन्होंने युवाओं, खासकर बेटियों से अपील की कि जब भी अवसर मिले, उसे पूरी मेहनत से अपनाएं और आगे बढ़ें।

राजिता के पिता डॉ.राजेश सिंह और माता रेखा सिंह ने बेटी की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा कि बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है। यह उपलब्धि न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले के लिए गर्व का क्षण है।

लखनऊ के लोक भवन से माद्र मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' सोमवार को विकास भवन सभागार में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदेश स्तर पर लखनऊ में नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट फोन का वितरण, ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाईसेज का वितरण एवं पूर्ण हो चुके बाल विकास परियोजना कार्यालय सह–गोदामों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकापर्ण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण मा0 जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी, तथा नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिकओं सहित देखा गया। जनपद से 3 आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा 346 आंगनवाड़ी सहायिकाओं का चयन किया गया है। इस अवसर पर ऑनलाईन चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण, स्मार्ट फोन का वितरण, पूर्ण हो चुके बाल विकास परियोजना कार्यालय सह–गोदामो एवं आंगनबाड़ी केन्द्रो का लोकापर्ण कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में उपस्थित मा0 विधायक ददरौल, द्वारा नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्री/सहायिकाओं को बधाई देते हुए, उन्हें अपने केन्द्र का बेहतर ढंग से संचालन सुनिश्चित करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत लाभार्थियों तक पहुंचाये जाने के निर्देश दिये गये।

जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराये गये स्मार्ट फोन का सदुपयोग करते हुए पोषण ट्रैकर आदि पर शत–प्रतिशत् फीडिंग सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर मा0 विधायक ददरौल अरविन्द कुमार, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह , मुख्य विकास अधिकारी–डॉ0 अपराजिता सिंह सिनसिनवार, जिला विकास अधिकारी–ऋषिपाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी–अरविन्द रस्तोगी एवं सम्बन्धित परियोजनाओं के बाल विकास परियोजना अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे ने पीसीएस मे चौथी रैंक लाकर डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित अनामिका मिश्रा को दिया बधाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चौथी रैंक प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित अनामिका मिश्रा को उनके आवास पहुंचकर इस शानदार सफलता के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देते हुए सभी सफल अभ्यर्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। सोमवार को पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडे पवन ने महेंद्र नाथ मिश्रा की पुत्री अनामिका मिश्रा को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में चौथी रैंक में सफलता प्राप्त कर डिप्टी कलेक्ट्रेट पद पर चयनित होने पर उनके आवास पर जाकर इस शानदार सफलता के लिए बधाई।इस मौके पर शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अनामिका मिश्रा ने जो शानदार सफलता हासिल की है वह उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है कि आज सबसे बड़ी परीक्षा में उन्होंने चौथी रैंक हासिल की उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में सभी सफल अभ्यर्थियों को जिन्होंने परिश्रम और त्याग कर इस परीक्षा में सफल होकर अपने माता–पिता का नाम उज्ज्वल किया उन सभी अभ्यर्थियों को भी ढेर सारी बधाई और शुभकामना दी प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर महानगर उपाध्यक्ष चौधरी श्री चंद यादव, प्रवक्ता राकेश यादव, ज्ञानेंद्र शुक्ला, हर्षित पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

कम्पोजिट विद्यालय शुदनीपुर में परीक्षा परिणाम घोषणा विद्यालय वार्षिकोत्सव एवं अभिभावक सम्मान एवं सांस्कृतिक समारोह का भव्य आयोजन सम्पन्न

देश की उपासना संवाददाता

जौनपुर। आज दिनांक 30/3/2026 को कम्पोजिट विद्यालय शुदनीपुर में परीक्षा परिणाम घोषणा विद्यालय वार्षिकोत्सव एवं अभिभावक सम्मान एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया ।जिसमें विभिन्न कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्रों उनके अभिभावकों एवं उत्कृष्ट योगदान प्रदान करने वाले विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य ध्अध्यक्ष को अंग वस्त्रं एवं मोमेंटो देकर खंड शिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं द्वारा सम्मानित किया गया ।आंगनवाड़ी चौपाल स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम के तहत श्री वेदप्रकाश एवं अंजू लता जी द्वारा अभिभावकों को जानकारी देते हुए अधिकतम नामांकन हेतु प्रेरित किया गया ।अपने उद्‌बबोधनन में खंड शिक्षा अधिकारी ने विगत चार वर्षों से राष्ट्रीय आय आधारित छात्र वृत्ति परीक्षा में अपना परचम लहरा रहे बच्चो हेतु प्रधानाध्यापक श्री शिवकुमार कुमार सरोज के नेतृत्व की सराहना की तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चो को तैयार कर रहे राजबहादुर यादव की भूरि भूरि प्रशंशा की। अपने उद्‌बबोधन में पूर्वमाध्यमिक विद्यालय शिक्षक संघ अद्यक्ष डॉ अतुल प्रकाश यादव उपाध्यक्ष आनंद कुमार यादव ,यादवेंद्र नाथ यादव ने विद्यालय की उपलब्धियों सहित विकास खंड में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचार करशिव राइटिंग अंग्रेजी में सेल्फ इंट्रोडक्शन एवं भाषण की नवीन विधा में खंडशिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं की पहल के सकारात्मक परिणामो को सराहा। राष्टपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक शिवजोर राम के नेतृत्व में जिले स्तर पर नाम कर चुके स्कूल टीम तथा सहायक अध्यापक लालबहादुर यादव के नेतृत्वमे उनकी स्काउट टीम ने कार्यक्रम की व्यवस्था मेंअपना सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ के साथ न्यापंचत के गणमान्य सदस्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे ।कार्यम का कुशल संचालन एवं आयोजन प्रधानाध्यापक शिवकुमार सरोज जिला महामंत्री जूनियर शिक्षक संघ ने किया।

जौनपुर में एसपीईएल कार्यक्रम का तीसरा चरण संपन्न

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिएंशियल लर्निंग कार्यक्रम के तृतीय चरण का समापन 30 मार्च 2026 को हुआ। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह के कुशल निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन्स जौनपुर स्थित बहुउद्देशीय हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नियम एवं ग्रंथ लखनऊ, श्री राजेश कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षक/नोडल अधिकारी SPEL श्री गोल्डी गुप्ता, और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनपदीय नोडल अधिकारी डॉ. सोमारु राम प्रजापति सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को SPEL कार्यक्रम के उद्देश्यों, संरचना और प्रशिक्षण प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही, उन्हें नशामुक्ति और दहेज प्रथा के खिलाफ शपथ भी दिलाई गई।

पुलिस अधीक्षक नियम एवं ग्रंथ लखनऊ, राजेश कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं के संज्ञानात्मक और लोक कौशल में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य के लिए उपयोगी होगा और पुलिस के लिए भी युवा पीढ़ी में मित्र बनाने का अवसर प्रदान करेगा।

छात्रों को कानून और आपराधिक प्रक्रिया, आपराधिक अनुसंधान, यातायात नियंत्रण, साइबर अपराध, मानव तस्करी और कानून व्यवस्था जैसे विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम थाना लाइन बाजार, गौराबादशाहपुर और बक्शा से संचालित किया गया था। कार्यक्रम का समापन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अवधेश कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यदुवंश कुमार यादव, डॉ. अवधेश कुमार मौर्य, डॉ. राजेश कुमार तिवारी, डॉ. अभिषेक कुमार कौशिक, डॉ. चंद्राम्बुज कश्यप सहित अन्य उपस्थित रहे।

श्रीराम जन्मोत्सव पर भव्य कलश यात्रा, गोमती तट से गोकुल घाट तक उमड़ी श्रद्धा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर सोमवार को शहर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। महर्षि जमदग्नि की पावन धरा पर आयोजित इस यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कलश यात्रा आदि गंगा गोमती तट स्थित हनुमान घाट से प्रारंभ होकर गोकुल घाट स्थित कथा स्थल पर जाकर सम्पन्न हुई।

शोभायात्रा में सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भाग लिया। पूरे मार्ग में भक्ति और आस्था का अद्‌भुत माहौल बना रहा। यात्रा चहारसू चौराहा, कोतवाली चौराहा, नवाब यूसुफ रोड, बड़ी मस्जिद, पुरानी बाजार और बेगमगंज चुंगी जैसे प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए गोकुल घाट पहुंची, जहां श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया।

यह कलश यात्रा सात दिवसीय श्रीराम कथा के शुभारंभ के उपलक्ष्य में निकाली गई। कथा का आयोजन 30 मार्च से 5 अप्रैल तक किया जा रहा है, जिसमें प्रख्यात कथा व्यास दिलीप कृष्ण भारद्वाज जी महाराज द्वारा श्रीराम कथा का रसपान कराया जाएगा।

यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी भागीदारी रही, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर डॉ. वंदना सरकार, विनीता गुप्ता, रजनी गुप्ता, उमा गुप्ता, शशि मौर्या, गीता चौरसिया, डॉ. सरला त्रिपाठी, डॉ. अनीता त्रिपाठी, डॉ. स्वप्निल सिंह, सलोनी निषाद, उमा निषाद, आनंद मिश्र, दिनेश गुप्ता, मनीष गुप्ता और राघवेंद्र दुबे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजन से पूरे शहर में भक्ति और उल्लास का वातावरण बना हुआ है।

कोतवाली अयोध्या पुलिस ने 5 शातिर अंतर्जनपदीय अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या पुलिस ने पांच शातिर अंतर्जनपदीय अभियुक्तों को तमंचा चाकू सहित अन्य सामानों के साथ गिरफ्तार किया ।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह ने बताया कि अपराध पर नियंत्रण रखने के लिए एसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर तथा एसपी सिटी चक्रपान त्रिपाठी के दिशा निर्देश पर सीओ अयोध्या की आशुतोष तिवारी की देखरेख में एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है ।इसी अभियान के तहत जब 3:30 बजे मौनी बाबा अन्डर पास के बगल से मदरहिया जाने वाले कच्चे रास्ते में रेलवे विभाग द्वारा बनाये गये सीमेन्टेट फ्रेम के किनारे से मुखबिर सूचना के आधार पर चोरी व लूटपाट के उद्देश्य से एकत्रित हुए योजना बनाते हुए 05 अभियुक्त पुलिस के हत्थे चढे ।उन्होंने पर बताया कि गिरफ्तार गए किए गए अभियुक्तों की पहचान महेश कुमार वर्मा पुत्र स्व0 जुगुलदत्त निवासी मूडाडिहा थाना धानेपुर जनपद गोण्डा,श्यामपाल आजाद पुत्र राजेन्द्र आजाद निवासी ग्राम नकछेद पुरवा जिगना बाजार थाना मनकापुर जनपद गोण्डा,लवली आजाद पुत्र राम अचल आजाद निवासी ग्राम नकछेद पुरवा जिगना बाजार थाना मनकापुर जनपद गोण्डा,गोमती आजाद पुत्र स्व0 राम प्यारे नि0 सोहास करमोहनी थाना मोतीगंज जनपद गोण्डा व भन्नू पुत्र गया लाल निवासी सुरजीपुर कालोनी थाना शहर कोतवाली जनपद हरदोई के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास से तमंचा कारतूस टॉर्च सहित अन्य सामान बरामद किए। इन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में चौकी प्रभारी रायगंज शेखर नाथ सिंह उप निरीक्षक पवन कुमार अजय कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

मिठाई विक्रेता के बेटे ने रचा इतिहास, राजू मोदनवाल बने डिप्टी एसपी, प्रदेश में 11वीं रैंक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर के चंदवक थाना क्षेत्र से एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी सामने आई है, थाना अंतर्गत खुज्झी मोड़ निवासी एक साधारण मिठाई विक्रेता के बेटे राजू मोदनवाल ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) परीक्षा में 11वीं रैंक हासिल कर डिप्टी एसपी बनकर जिले का नाम रोशन किया है।

राजू के पिता सूरज मोदनवाल खुज्झी मोड़ पर मिठाई की दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने बेटे की पढ़ाई में कभी कमी नहीं आने दी। राजू ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्री कुबेर सिंह माध्यमिक विद्यालय, खुज्झी से प्राप्त की और इंटरमीडिएट सुमित्रा शिक्षा इंटर कॉलेज, बजरंगनगर से पूरा किया।

उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने श्री गणेश राय पीजी कॉलेज से बीएससी में प्रवेश लिया, लेकिन बेहतर तैयारी के उद्देश्य से दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध हंसराज कॉलेज में दाखिला लेकर स्नातक की पढ़ाई पूरी की। यहीं से उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की गंभीर तैयारी शुरू की।

राजू का सफर संघर्षों से भरा रहा। उन्होंने दो बार सिविल सेवा (मै) की लिखित परीक्षा पास की, लेकिन इंटरव्यू में सफलता नहीं मिल सकी। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार प्रयास करते रहे। उनकी यही लगन और दृढ़ संकल्प अंततः रंग लाया और उन्होंने यूपीपीएससी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर डिप्टी एसपी का पद प्राप्त किया।

राजू ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, परिवार और सहयोगियों को देते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच ही सफलता की कुंजी है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

राजू मोदनवाल की यह सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है, जो यह संदेश देती है कि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

मूल्यांकन केंद्रों पर जलपान राशि हड़पने का आरोप, शिक्षक संघ ने डीएम से की शिकायत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराईगुट) ने सोमवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन केंद्रों पर परीक्षकों के लिए निर्धारित जलपान राशि में अनियमितता का गंभीर आरोप लगाया है। संघ ने करीब 12 लाख रुपये की धनराशि हड़पने की आशंका जताते हुए इसकी जांच कराने और राशि सीधे शिक्षकों के खातों में भेजने की मांग की है।

संघ द्वारा जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि 18 मार्च से 1 अप्रैल तक जनपद के पांच मूल्यांकन केंद्रों पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया गया। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के निर्देशानुसार प्रत्येक परीक्षक को प्रतिदिन 25 रुपये जलपान के लिए दिए जाने का प्रावधान है।

हालांकि, संघ का आरोप है कि किसी भी केंद्र पर उपनियंत्रकों द्वारा न तो जलपान की व्यवस्था की गई और न ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया गया। जबकि जौनपुर में करीब 4000 परीक्षक इस कार्य में शामिल थे। संघ के अनुसार, यदि 4000 परीक्षकों को 12 दिनों तक प्रतिदिन 25 रुपये के हिसाब से भुगतान किया जाता, तो कुल राशि लगभग 12 लाख रुपये बनती है। आरोप है कि यह राशि संबंधित अधिकारियों द्वारा हड़प ली गई।

शिक्षक संघ ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जलपान मद की धनराशि सीधे शिक्षकों के बैंक खातों में उनके पारिश्रमिक के साथ हस्तांतरित की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए सख्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है।

कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण, बंदियों की सुविधाओं पर दिया गया विशेष जोर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जनपद न्यायाधीश सुशील कुमार शशि की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कारागार का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र एवं पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कारागार की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लेते हुए सुरक्षा, साफ–सफाई और बंदियों की सुविधाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान बंदियों के रहन–सहन, खान–पान, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जनपद न्यायाधीश ने निर्देशित किया कि कारागार में निरुद्ध सभी बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं समय से और पूरी पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि बंदियों के अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कारागार परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने, बंदियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं शासन के मानकों के अनुरूप होनी चाहिए।

इस दौरान दिव्यांग बंदियों के लिए भी विशेष पहल की गई। पात्रता के आधार पर तीन दिव्यांग बंदियों को व्हीलचेयर और तीन को बैसाखी वितरित की गई, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में सहूलियत मिल सके।

निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्वेता यादव, जेल अधीक्षक पवन कुमार त्रिवेदी, जेलर अजय कुमार तथा जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री रामनवमी पर अयोध्या में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव श्श्रीराम नवमीश के पावन अवसर पर धर्मनगरी अयोध्या पूरी तरह राममय हो गई। इस पुनीत अवसर पर देवकाली स्थित नारू कैफे में जियो स्पार डेवलपर्स एवं एयरो विस्टा सिटी परिवार की ओर से एक विशाल भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। शुक्रवार सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुए इस कार्यक्रम में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण और आरती के साथ किया गया। संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर और प्रेरणास्रोत सतीशराम कुमार गोयल के नेतृत्व में आयोजन के मुख्य सूत्रधार तुषार गोयल, नितिन गोयल व श्रीमती दिव्या गोयल के अतुलनीय प्रयासों व मार्गदर्शन में आयोजित इस सेवा कार्य में टीम के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सहभागिता निभाई। संस्था की डायरेक्टर श्रीमती दिव्या गोयल ने बताया कि रामनवमी के इस पावन पर्व पर सभी रामभक्त मां दुर्गा की भी उपासना करते हैं व नौ दिवसीय व्रत भी रखते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए संस्था ने सभी रामभक्तों के लिए फलाहार भंडारे का आयोजन किया है।

सेवा और समर्पण का संगम आयोजन के मुख्य सूत्रधार तुषार गोयल और नितिन गोयल ने बताया कि रामनवमी के इस पावन पर्व पर सेवा कार्य करना संस्था का मुख्य उद्देश्य रहा है। इस दौरान एयरो विस्टा सिटी प्रोजेक्ट के माध्यम से लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं जैसे रेजिडेंशियल टाउनशिप, प्लॉट्स, विला और फ्लैट्स उपलब्ध कराने के संकल्प को भी दोहराया गया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति भंडारे के सफल आयोजन में रोहित ढिंगरा, आशीष सैनी, शरद चंद्र श्रीवास्तव, शुभम शर्मा, संतोष यादव, राहुल गुप्ता, पलक शुक्ला, संदीप गुप्ता, चन्द्रांशु उपाध्याय और रिंकू शर्मा ने सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही ओम नारायण, रजनीश मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव, अमन साहू, अखिलेन्द्र गौतम, सत्येन्द्र गुप्ता, निलेश कथुरिया, मनीष चन्द्रपाल सिंह, आँचल गुप्ता, साक्षी यादव, मनोज यादव, सुरेन्द्र यादव और दयाशंकर यादव सहित संस्था के अन्य सहयोगियों ने आगंतुकों की सेवा कर कार्यक्रम को सफल बनाया। देर शाम तक चले इस भंडारे में स्थानीय लोगों के साथ–साथ दूर–दराज से आए भक्तों ने भी बड़े चाव से प्रसाद ग्रहण किया।

एकादशी पर अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा, लाखों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। एकादशी के पावन अवसर पर रविवार को अयोध्या में आयोजित पंचकोसी परिक्रमा में लाखों श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें परिक्रमा मार्ग पर देखने को मिलीं। आसपास के जिलों के साथ–साथ बड़ी संख्या में बिहार से भी श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर परिक्रमा में शामिल हुए। परिक्रमा मार्ग पर जगह–जगह श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, चिकित्सा और सुरक्षा की विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। प्रशासन की ओर से पुलिस बल तैनात कर भीड़ को सुचारु रूप

से नियंत्रित किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो ।उल्लेखनीय है कि अयोध्या में बीते 20 मार्च से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन चल रहा था, जिसका शनिवार को विधिवत समापन हुआ।इस धार्मिक आयोजन में भी बिहार सहित विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे थे। महायज्ञ के समापन के अगले ही दिन एकादशी पर आयोजित पंचकोसी परिक्रमा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी देखने को मिली।श्रद्धालुओं ने परिक्रमा करते हुए भगवान के प्रति आस्था प्रकट की और प्रदेश तथा देश की सुख–समृद्धि की कामना की।

जिला दिव्यांग अधिकारी बनकर सृष्टि ने किया माता–पिता का नाम रोशन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। सृष्टि जायसवाल ने पीसीएस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिला और माता पिता का गौरव बढ़ाया है। सृष्टि का चयन जिला दिव्यांग अधिकारी के पद पर हुआ है। जेबी अकादमी की पूर्व छात्रा सृष्टि ने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएससी और मिरिंडा हाउस से केमिस्ट्री में एमएससी किया। पीएनबी में मुख्य प्रबंधक रहे संजय गुप्ता, जूनियर विद्यालय की शिक्षिका ऊषा और बड़े भाई रक्षा मंत्रालय में लेखा परीक्षक एकांश जायसवाल का सहयोग, आशीर्वाद और ईश्वर की कृपा के साथ लगन और विश्वास के साथ की गई मेहनत उसकी सफलता में सहायक रहा है। वह कहती है कि यूपीएससी या और बेहतर स्थायित्व के लिए उसका प्रयास जारी रहेगा।

पेट्रोल और डीजल का संकट कम,लेकिन गैस संकट अभी भी जारी – सत्यभान सिंह

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। कामरेड सत्य भान सिंह जनवादी का आरोप है कि शशि गैस एजेंसी देवकाली पर लोग सिलेंडर के लिए भोर दो बजे से लाइन लगा लेते है,और सैकड़ों की संख्या में उपभोक्ता अपनी बारी का इंतजार करता

पता चला जो पीछे लाइन में जब तक उसका नम्बर आता सिलेंडर खत्म हो जा रहा है।अब बुकिंग की अवधि 21 से बढ़ाकर 35 दिन कर दिया,अब इसके बाद बुकिंग होगी और जिलापूर्ति अधिकारी कह रहे है कोई दिक्कत नहीं है,आप उपभोक्ताओं को समय से गैस दीजिए और घरेलू गैस का कर्मिशयल यूज पर सख्त पाबंदी लगाइए।कर्मिशयल सिलेंडर होटलों शादी विवाह भंडारे छोटे बड़े सभी होटलों के लिए लागू करो। कई दुकानदारों का कहना है कि कमर्शियल सिलेंडर चोरी से 4 से 5 हजार में दलाल दिलवा रहे है। अब सही क्या है ? प्रशासन को समझना चाहिए,आखिर गैस का संकट क्यों नहीं खत्म हो रहा है।

कहुवा में भ्रष्टाचार की दीवार! जल जीवन मिशन की टंकी में घटिया निर्माण का खेल उजागर

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। जनपद के मिल्कीपुर विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कहुवा में करोड़ों रुपये की लागत से बन रही जल जीवन मिशन की पानी की टंकी अब सवालों के घेरे में आ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस परियोजना में शुरुआत से ही भ्रष्टाचार की नींव रख दी गई है ।बताया जा रहा है कि टंकी की बाउंड्रीवाल निर्माण में खुलेआम मानकों की अनदेखी की जा रही है। पीली और कमजोर ईंटों का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है, जबकि गुणवत्ता के अनुसार मजबूत सामग्री का उपयोग होना

चाहिए था। इतना ही नहीं, ईंटों की जोड़ाई में भी घटिया मसाले का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे दीवार की मजबूती पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के निर्माण से बाउंड्रीवाल की उम्र बेहद कम हो जाएगी और करोड़ों की सरकारी राशि का सीधा नुकसान होगा। हैरानी की बात यह है कि' संबंधित विभाग इस पूरे मामले पर आंखें मूंदे बैठा है, मानो कुंभकरण की नींद सो रहा हो।ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि सरकारी योजनाओं में हो रहे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सके।

धर्मनगरी में उत्सव श्रीराम का और लंगर गुरु नानक का

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। विगत 18 वर्षों से प्रतिवर्ष श्रीराम जन्मोत्सव की पावन बेला पर ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक गोबिंद धाम, नजर बाग अयोध्या के द्वार पर खालसा फाउंडेशन द्वारा प्रसाद वितरण कराया जाता है। जिसमें अयोध्या फैजाबाद की समूह संगत बड़ी श्रद्धा और भावना के साथ सहयोग और सेवा करती है। 27 मार्च दिन शुक्रवार को अयोध्या आए हुए लाखों श्रद्धालुओं की सेवा करते हुए कढ़ी चावल हलुआ और चना का प्रसाद गुरुद्वारे के गेट पर पंडाल लगा कर वितरित किया गया। जिसमें सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी और मेला ड्यूटी में आए लोकप्रिय क्षेत्राधिकारी अरविंद चौरसिया, और आशीष निगम ने अपने सहयोगियों के साथ प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम की सराहना की।

खालसा फाउंडेशन द्वारा आयोजित ये कार्यक्रम जत्थेदार बाबा महेंद्र सिंह की सरपरस्ती में बड़ी श्रद्धा और उल्लास के साथ प्रातः 10 बजे से आरम्भ हो गया। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर भक्ति, सेवा और और उल्लास के रंग में रंगी अयोध्या में आए हुए सभी भक्तों, अयोध्यावासियों व देशवासियों को बाबा महेंद्र सिंह ने प्रभु श्रीराम के जीवन से सद्गुणों को ग्रहण कर अपने जीवन को मनुष्यता के शिखर तक ले जाने का उपदेश दिया। प्रभु श्रीराम के जीवन काल के किरदार हमें प्रेरणादाई शिक्षाएं देते हैं।

जीवन में कब, क्या करना है और क्या नहीं करना है, सभी प्रकार का ज्ञान हमें प्रभु श्रीराम के जीवन से जुड़ी घटनाओं से मिल सकता है। कार्यक्रम में आए सभी विशिष्टजनो, सहयोगियों, प्रशासन व मीडिया के लोगों का धन्यवाद करते हुए सेवादार नवनीत सिंह ने सभी को श्रीराम जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी।

राम नगरी में वाहन पार्किंग के नाम पर हो रही जमकर वसूली,आये दिन होती है मारपीट

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। श्रीराम मंदिर निर्माण होने के साथ–साथ पर्यटकों की सुविधा के लिए राज्य सरकार व जिला प्रशासन की मंशा के अनुरूप घर–घर में होम स्टे व गेस्ट हाउस बनने शुरू हो गए। देखते–देखते हजारों की संख्या में होमस्टे और गेस्ट हाउस बन गए। इनमें से कुछ पंजीकृत है तो कुछ बिना पंजीकरण के। इन होम स्टे व गेस्ट हाउस के मालिकानों द्वारा निर्धारित मानकों को भी नजरअंदाज किया गया और किसी ने भी वाहन पार्किंग का निर्माण नहीं कराया। अयोध्या आने वाले पर्यटकों के वाहन गली कूचों व सड़कों पर खड़े रहते हैं, जिससे जगह–जगह मार्ग अवरूद्ध हो जाते हैं। जानकारी होने के बावजूद अयोध्या नगर निगम और अयोध्या विकास प्राधिकरण पूरी तरह से मूकदर्शक बना हुआ है।ज्ञातव्य हो कि राम मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद से ही अयोध्या में बाहरी श्रद्धालुओं का भारी संख्या में आगमन शुरू हो गया था नगर निगम व विकास प्राधिकरण द्वारा शहर के बाहर–बाहर तो कुछ पार्किंग बनवाई गईं लेकिन शहर के अंदर एक भी पार्किंग का निर्माण नहीं कराया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की नीति के अनुसार जिला प्रशासन ने नगर में गेस्ट हाउस व होमस्टे निर्माण किए जाने की अनुमति अयोध्या वासियों को दी जिसके तहत लोगों ने अपने घरों को होमस्टे में बदल दिया,तमाम लोगों ने बैंकों से कर्ज लेकर गेस्ट हाउस बनवा डालें लेकिन उन लोगों ने वाहनों के खड़े होने के लिए वाहन पार्किंग का इंतजाम नहीं किया। अधिकांश गेस्ट हाउस व होम स्टे में रुकने वाले पर्यटकों के वाहन सड़कों पर ही खड़े रहते हैं जिसके कारण मार्ग अवरूद्ध हो जाते हैं। मौके का फायदा उठाते हुए कुछ मठाधीशों व जमीन के मालिकों द्वारा अवैध रूप से अपने यहां पार्किंग बना ली और वाहनों को खड़ा करने के लिए मनमानी रकम वाहन मालिकों से वसूल कर अपनी आमदनी बढ़ाने का काम शुरू कर दिया। नगर में चल रही हजारों वाहन पार्किंगों का कोई पंजीकरण नहीं है और न ही उनसे किसी तरह का शुल्क विकास प्राधिकरण या नगर निगम वसूल रहा है। इन वाहन पार्किंग में सुरक्षा,पेयजल, शौचालय की भी कोई सुविधा पर्यटकों के लिए नहीं है। गेस्ट हाउस व होम स्टे के मालिक पर्यटकों के वाहनों को सड़क पर खड़े कराते हैं लेकिन पार्किंग शुल्क स्वयं वसूलते हैं। विशेष बात यह है कि नगर में चल रहे हजारों गेस्ट हाउस व होम स्टे निर्मित कराए जाने के समय सुरक्षा मानकों का भी ध्यान नहीं रखा गया है। इन सभी गेस्ट हाउसों और होमस्टे की जांच होनी चाहिए और उनके मालिकों द्वारा निर्धारित मानकों को पूरा न किए जाने पर उन्हें दंडित भी किया जाना चाहिए। अयोध्या विकास प्राधिकरण और नगर निगम को इन व्यवसायिक कार्यों में उपयोग किये जा रहे भवनों का उसी हिसाब से कर निर्धारण करना चाहिए।विद्युत विभाग को इन भवनों की जांच करके विद्युत भार बढ़ाना चाहिए साथ ही नगर निगम को गृह कर और जलकर में व्यावसायिक दृष्टि से वृद्धि करना चाहिए। पार्किंग की व्यवस्था न होने वाले होम स्टे व गेस्ट हाउस मालिकों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए। आए दिन वाहन पार्किंग के लिए झगड़े होते रहते हैं। अशोक सिंहल वार्ड के भाजपा पार्षद अंकित त्रिपाठी ने कई बार रामघाट क्षेत्र में चल रहे अवैध वाहन पार्किंग को समाप्त कराने के लिए अभियान चलाया, उन्होंने अधिकारियों को भी इस संबंध में अवगत कराते हुए वाहन पार्किंग का रजिस्ट्रेशन करने व निर्धारित मानकों को पार्किंग मालिकों से पूरा कराने का अनुरोध किया लेकिन जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, व अयोध्या विकास प्राधिकरण मूकदर्शक बना हुआ है जिससे नगर में सड़कों पर जाम लगने के साथ–साथ आए दिन मारपीट की घटनाएं वाहन स्वामियों और पार्किंग मालिकों के बीच होती रहती है।

हाईटेक हुई अयोध्या पुलिस, 350 सीसी 'बुलेट' से शीघ्र से शीघ्र रुकेंगी अपराध

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या ।जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में पुलिस विभाग की एक सराहनीय पहल सामने आई है ।पुलिस फोर्स में अब 350 सीसी इंजन वाली 5 नई 'बुलेट' मोटरसाइकिलों को शामिल किया गया है ।जिससे गश्त व्यवस्था में तेजी आने के साथ ही आमजन की सुरक्षा और भी मजबूत होगी ।वही अपराध पर अंकुश लगेगा ।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर और एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने पुलिस लाइन पहुंचकर स्वयं इन बाइकों का ट्रायल किया ।इन दोनों अधिकारियों ने बाइकों की कार्यक्षमता, संतुलन और उपयोगिता का बारीकी से परीक्षण करते हुए इसे आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया ।इन अत्याधुनिक बाइकों में हूटर, हेलमेट रखने की विशेष सुविधा और जरूरी दस्तावेजों के लिए अलग फाइल बॉक्स लगाए गए हैं, जिससे ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों को काफी सहूलियत मिलेगी और वे अधिक दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह पहल न सिर्फ गश्त व्यवस्था को मजबूत करेगी,बल्कि आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर अपराध नियंत्रण में भी अहम भूमिका रहेगी।

शांति चौक चौराहा से नवीन मंडी ओवर ब्रिज तक लाखों रुपए की लागत से लगी फैंसी लाइटे बनी शोपीस

अयोध्या। इस समय शहर के रायबरेली तिराहा स्थित शांति चौक चौराहा से नवीनमंडी के सामने से होते हुए गोरखपुर लखनऊ बाईपास ओवर ब्रिज संपर्क मार्ग तक पोलों पर लाखों रुपये की लागत की लगी फैंसी लाइटे लग तो गई है।लेकिन अभी तक जल नहीं रही है जो की महज पोलो में लगे यह लाइट शो पीस बनी हुई है।वही स्थानीय लोगों की माने तो इन लाइटों को लगे हुए लगभग एक वर्ष से अधिक हो गए हैं,लेकिन अभी तक यह जलते हुए नहीं दिखाई दे रही है।इस संबंध मे लोक निर्माण विभाग के कर्मियों का कहना है कि इसका न जलने का मुख्य कारण बिजली विभाग मे तैनात अधिकारी व कर्मियों की लापरवाही है।जिसके चलते अभी तक यह फैंसी लाइटे महज शो पीश बनी हुई है।बताते चलें कि लोक निर्माण विभाग कार्यालय मे तैनात अधिकारियो व कर्मियों के मुताबिक इस मार्ग की दूरी लगभग 750 सौ मीटर है।जिस पर 15–15 मीटर की दूरी पर लगभग 70 लाइटे लगी हुई है।विभागीय जिम्मेदारों का कहना है कि जल्द ही इस मार्ग पर लाइट जलने लगेंगी। ट्रांसफार्मर लग गया और कनेक्शन भी हो चुका है।बताया कि लाइटों की टेस्टिंग भी की जा चुकी है।बताते चले कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद से राज्य सरकार अयोध्या नगरी को चौमुखी विकास को लेकर भी काफी विकास कर रही है।वही दर्शन नगर होते हुए सूरजकुंड मार्ग,रामपथ मार्ग, विभिन्न ओवर ब्रिज सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर फैंसी लाइट लगी हुई है,जिसमें से कुछ तो जल रही है और कुछ का निर्माण कार्य चल रहा है।

रुदौली ब्लश्वक की कमान संभालने पहुंचे बीडीओ सूर्य प्रकाश मिश्रा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। अमानीगंज के स्थायी बीडीओ सूर्य प्रकाश मिश्रा को रुदौली का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है ।सोमवार को सूर्य प्रकाश मिश्रा रुदौली ब्लॉक कार्यालय पहुंचे और कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालते ही उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा कर सख्त निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

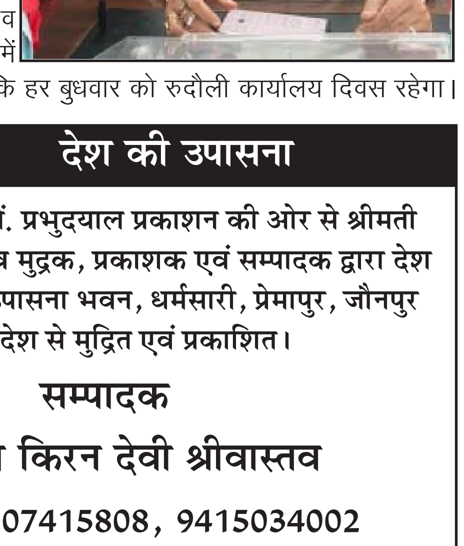

उन्होंने कहा कि दोनों ब्लॉकों में समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा। सप्ताह में तीन दिन रुदौली व तीन दिन अमानीगंज में रहकर कार्य करेंगे, जबकि हर बुधवार को रुदौली कार्यालय दिवस रहेगा।

सोनम यादव ने पीसीएस परीक्षा में 20 वीं रैंक लाकर किया माता–पिता का क्षेत्र वासियों का नाम रोशन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या ।जहां की बेटी सोनम यादव ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए डिप्टी कलेक्टर पद पर चयन पाया है। सोनम ने पूरे उत्तर प्रदेश में 20वीं रैंक हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे जनपद का नाम रोशन किया है।गद्दोपुर, अयोध्या की रहने वाली सोनम यादव एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता सुरेश कुमार यादव बी.आर. इंटर कॉलेज में प्राचार्य हैं, जबकि उनकी माता सुशीला देवी गृहिणी हैं। पांच बहनों और एक भाई के बीच सोनम चौथे स्थान पर हैं, लेकिन उनके सपने और हौसले सबसे अलग रहे।शिक्षा की बात करें तो सोनम ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कैनोसा कॉन्वेंट से की। इसके बाद हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई यूपी बोर्ड से विज्ञान वर्ग में पूरी की। आगे बढ़ते हुए उन्होंने के.एस. साकेत कॉलेज, अयोध्या से बीएससी की डिग्री हासिल की।सोनम की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, स्वअध्ययन और समाज कल्याण विभाग की कोचिंग का अहम योगदान रहा है। वह अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और शिक्षकों को देती हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया।उनकी इस सफलता पर वरिष्ठ अधिवक्ता मार्तंड प्रताप सिंह ने भी उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सोनम यादव वरिष्ठ अधिवक्ता मार्तंड प्रताप सिंह के जूनियर अधिवक्ता कमलेश यादव की भतीजी है।

बरसेंडी के विकास सिंह बने असिस्टेंट कमिश्नर,क्षेत्र में खुशी की लहर

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।सोहावल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरसेंडी निवासी विकास सिंह पुत्र संजीत सिंह ने यूपी पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए असिस्टेंट कमिश्नर (सेल टैक्स ऑफिसर) के पद पर चयनित होकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।ज्ञात हो कि विकास सिंह इससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं और वर्तमान में पीएमओ कार्यालय के एक गोपनीय विभाग में कार्यरत हैं। अब पीसीएस में चयन के बाद उनकी इस उपलब्धि को दोहरी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।विकास की प्रारंभिक शिक्षा गाँव बरसेंडी में ही हुई, जहाँ उन्होंने आठवीं तक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे प्रयागराज (इलाहाबाद) चले गए और फिर दिल्ली में रहकर अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए यह मुकाम हासिल किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम और लगन से यह सफलता प्राप्त की।अपनी सफलता का श्रेय विकास अपने बाबा स्वर्गीय केशव सिंह को देते हैं। उनका कहना है कि उनके बाबा ने कम संसाधनों में भी उच्च सोच और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी, जो आज उनकी सफलता का आधार बनी।

इस अवसर पर सपा के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह "अनूप" ने विकास सिंह के घर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया और मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। इस दौरान पूर्व प्रधान शिव बक्श सिंह "पिंटू" भी मौजूद रहे।"अनूप" ने कहा कि "विकास सिंह ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं। उनकी सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।" पूर्व प्रधान पिंटू सिंह ने अनुसार विकास की उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने अपने परिवार, गाँव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।"

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।